10

हवा

आँखों से मैं दिखाई न देती,
मन मर्जी से चलती रहती।
सर–सर की आवाज़ मैं करती,
फर–फर सी मैं बहती रहती।
किसी की पकड़ में कभी न आती,
गीले कपड़े तुरन्त मैं सुखाती।
मैं न रहूँ तो कोई जीव न रहे
कौन सबसे पहले मेरा नाम कहे?

अपने आस–पास की हिलती हुई चीजों को देखकर हमें हवा का आभास होता है। ऐसी कोई तीन बातें लिखो, जिससे हवा का पता चलता है।

1. ____

2. ____

3. ____

आओ कुछ प्रयोग करें

एक खाली गिलास लें। गिलास के अंदर एक कागज को गुड़ीमुड़ी करके इस प्रकार लगाएँ कि गिलास को उल्टा करने पर भी कागज नीचे न गिरे।

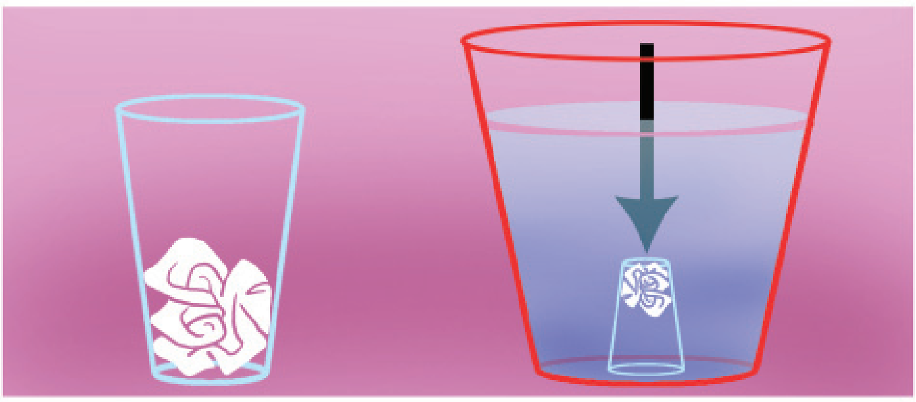

अब इस गिलास को उल्टा कर, पानी से भरी बाल्टी में पूरी तली में जाने तक डुबाएँ। पुनः गिलास को उसी स्थिति में बाहर निकाल कर अंदर रखे कागज छूकर देखें। कागज भीग गया या सूखा है?

आओ इस बात को एक और दूसरे प्रयोग से समझें।

पानी से भरी एक बाल्टी में खाली गिलास को उल्टा डुबाओ। इस बात का ध्यान रखना कि गिलास सीधा न हो जाए। अब पानी के अन्दर गिलास को धीरे–धीरे सीधा करो। क्या हुआ?

1. गिलास से क्या निकलते दिखाई दे रहे हैं ?

2. खाली गिलास से किसके बुलबुले निकल रहे थे?

हवा सभी जगहों पर रहती है। जो चीजें हमें खाली दिखाई देती हैं, सही मायनों में वे खाली नहीं हैं। उनमें भी हवा होती है।

पहला गिलास   दूसरा गिलास   तीसरा गिलास

उक्त तीनों गिलासों के अवलोकन के आधार पर नीचे दी गई तालिका को भरो।

क्र.	गिलास	कैसा है
1.	पहला गिलास	
2.	दूसरा गिलास	
3.	तीसरा गिलास	

कुछ वस्तुओं जैसे मिट्टी, चॉक आदि के अन्दर भी हवा होती है। आओ इसका पता लगाएँ–

पानी से भरे गिलास में चाक के एक टुकड़े को डालो। चाक से क्या निकलता दिखाई दे रहा है ?

जब पानी में चाक डाला जाता है तो चाक के अन्दर की हवा बुलबुले के रूप में बाहर निकलती है। अब इस प्रयोग को तुम मिट्टी के ढेले एवं ईंट से दोहराओ।

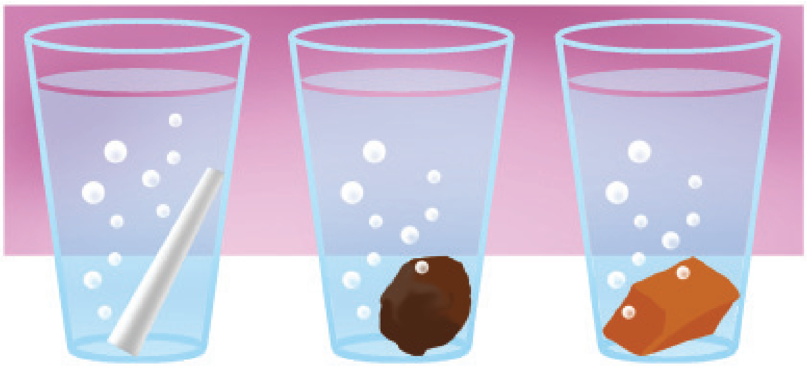

चित्रों को देखकर बताओ हवा क्या काम आ रही है?

1. ____________________ 2. ____________________

3. ____________________

4. ____________________

इसके अलावा हवा के कोई और उपयोग सोचकर लिखो–

1. ____________________
2. ____________________
3. ____________________
4. ____________________
5. ____________________
6. ____________________
7. ____________________
8. ____________________
9. ____________________
10. ____________________

कागज़ की फिरकी

1. फिरकी बनाने के लिए एक चौकोर कागज़ लो। आमने–सामने के दोनों कोनों को मिलाकर मोड़ो और निशान बनाओ। अब कागज़ खोल लो।

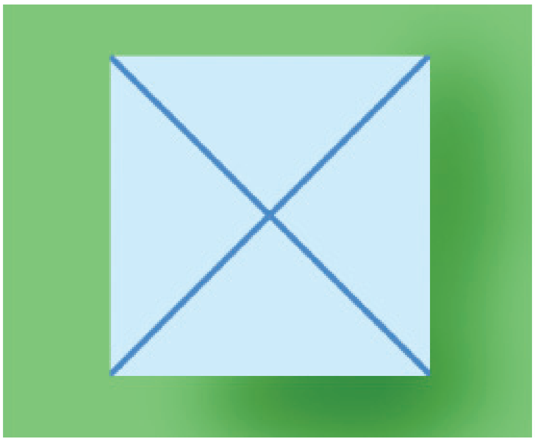

2. प्रत्येक कोने से कागज़ के बीच के बिन्दु से लगभग दो अंगुल पहले तक एक काट लगाओ।

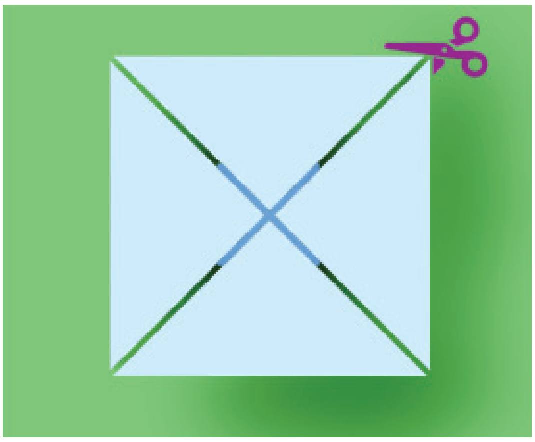

3. काट लगाने के बाद कुल आठ कोने बन जाएँगे। एक कोना छोड़ते हुए कागज़ के एक कोने को पकड़ो और कागज़ के बीचों बीच टिकाओ।

4. इन कोनों को कागज के बीचों–बीच टिकाए रखने के लिए, इनके ऊपर एवं नीचे मोटे कागज़ का टुकड़ा लगाकर बीचों–बीच आलपिन घुसा दो।

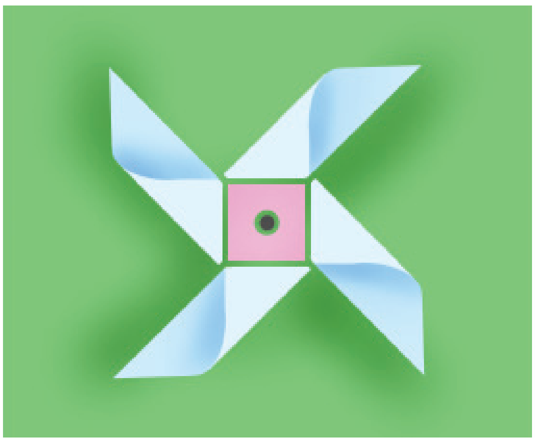

5. आलपिन के नुकीले सिरे को सरकण्डे के सिरे में घुसाकर फिरकी को हवा के विपरीत दिशा में पकड़ो। देखो क्या फिरकी घूमने लगी?

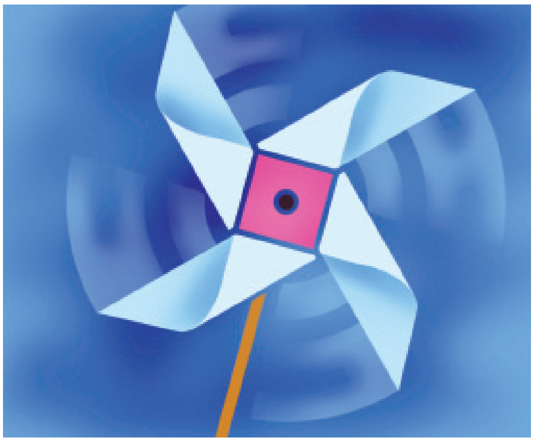

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. साँस में हम क्या लेते हैं?
2. हमें हवा का पता कैसे चलता है?
3. गुब्बारे में क्या भरी जाती है ?

लिखित

1. यदि हवा न हो तो क्या होगा ?
2. यह कैसे जानोगे कि खाली बर्तन में हवा है?
3. खाली स्थानों को नीचे दिए गए शब्दों से भरो : –

देख, सीटी, हवा

1. मनुष्य सांस में ———————— लेते हैं।
2. ———————— बजाने में हवा का उपयोग होता है।
3. हवा को हम नहीं ———————— सकते।

DU6EQ3

खोजो आस–पास

उन खिलौनों या वस्तुओं की सूची बनाओ जो हवा की सहायता से बजते या चलते हैं।